दैनिक भास्कर - 12.4.16

अब बिक्रमगंज में भी होगी कोरियन भाषा की पढ़ाई

कोरिया गणराज्य के दूतावास और प्राचार्य के बीच सोमवार को हुई वार्ता, अगले माह से शुरू हो जाएगी

सिटी रिपोर्टर| बिक्रमगंज

एएन कॉलेज पटना और एनआईटी पटना के बाद अब बिक्रमगंज के अनजबित सिंह कॉलेज में कोरियन भाषा की पढ़ाई होगी। इसके लिए सोमवार को कोरिया गणराज्य के दूतावास योन क्योंग ज्योंग व वेक हवान सेंग और प्राचार्य जवाहरलाल के बीच वार्ता हुई। वार्ता के दौरान प्राचार्य ने कॉलेज में कोरियन भाषा की पढ़ाई के लिए दोनों दूतावास को हरी झंडी दे दी। कोरियन दूतावास को हरी झंडी मिलने के बाद जल्द ही मेमोरेंडम और अंडरस्टैंडिंग प्राचार्य को दिया जाएगा। जिस पर हस्ताक्षर के बाद अगले माह से कॉलेज में कोरियन भाषा की पढ़ाई शुरू कर दी जाएगी। कोरियन भाषा की किंग शे जांग इंस्टीट्यूट पूरे देश में 90 जगहों पर कोरियन भाषा सीखा रही है। पूरे भारत में केवल एएन कॉलेज पटना, एनआईटी पटना व वीमेंस कॉलेज हाजीपुर में कोरियन भाषा की पढ़ाई होती थी।

अनजबित सिंह कॉलेज बिक्रमगंज अब चौथा कॉलेज बन गया है, जहां कोरियन भाषा की पढ़ाई होगी। प्राचार्य ने भारत एवं कोरिया के बीच सांस्कृतिक विनियम एवं कोरियन शिक्षा को प्रोत्साहित करने के लिए मैत्रीपूर्ण संबंधन की बात कही। प्राचार्य ने कहा कि यह पूरे बिहार ही नहीं बल्कि देश के लिए गौरव की बात है।

अगले सप्ताह कॉलेज में कोरियन भाषा पर होगा सेमिनार

कोरिया गणराज्य की दूतावास योन क्योंग ज्योंग ने बताया कि अगले सप्ताह कॉलेज में कोरियन भाषा पर सेमिनार किया जाएगा। जो बच्चे भाषा सीखने के लिए उत्सुक होंगे उनका रजिस्ट्रेशन भी किया जाएगा। भाषा सीखने के बाद आगामी अक्टूबर माह में कोरियन दूतावास द्वारा दिल्ली में आयोजित कराए जाने वाले कोरियन स्पीच कांटेस्ट, कोरियन सांग और डांस प्रतियोगिता में अव्वल आने पर 8 दिनों का मुफ्त ट्रिप कोरियन सरकार द्वारा दी जाएगी।

भाषा से क्या है लाभ

कोरियन दूतावास ने बताया कि यह भाषा सीखने के बाद जितनी कोरियन कंपनियां हैं जो भारत में व्यापार कर रही है। उन कंपनियों में कोरियन भाषा जानने वाले लड़के-लड़कियों को प्राथमिकता दी जाएगी। कोरियन सरकार द्वारा कराए जाने वाले टॉपिक टेस्ट में चौथे लेवल तक जाने पर कोरियन सरकार स्कॉलरशीप मुहैया कराएगी। इसके अलावा बड़े-बड़े शहरों में आप टूरिस्ट गाइड का भी काम कर सकते हैं।

पूरे दो साल का होगा कोर्स

कोरियन भाषा पूरे दो साल का कोर्स होगा। इसमें हर छह महीने के लिए छह हजार रुपए फीस के रूप में जमा करने होंगे। सप्ताह में एक या दो दिन इसका क्लास कॉलेज में चलेगा। इसमें 2 से 3 घंटे की पढ़ाई कराई जाएगी। बीच-बीच में स्पेशल क्लास भी बच्चों के लिए कराई जाएगी।